

डीएसटी-जेएसपीएस परिणाम 2023

भारत-जापान सहकारी विज्ञान कार्यक्रम (आईजेसीएसपी)-2023 के तहत, भारत और जापानी शोधकर्ताओं द्वारा i) भौतिक विज्ञान ii) रसायन विज्ञान iii) जीवन विज्ञान और कृषि iv) गणित और कम्प्यूटेशनल विज्ञान v) खगोल विज्ञान और पृथ्वी विज्ञान vi) सामग्री और इंजीनियरिंग के परस्पर सहमत क्षेत्रों पर निष्पादन हेतु संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं और कार्यशालाएं आमंत्रित करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार और जापान सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ साइंस (जेएसपीएस), जापान द्वारा संयुक्त प्रस्ताव आह्वान जारी किया गया था।

2. प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि 6 सितंबर, 2023 थी। आह्वान के फलस्वरूप कुल 147 संयुक्त अनुसंधान परियोजना प्रस्ताव और 11 कार्यशाला प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। वैज्ञानिक शक्ति, तकनीकी पहलुओं, परियोजना के उद्देश्यों और दोनों देशों की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के आधार पर विवेकपूर्ण मूल्यांकन के बाद, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत और जापान सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ साइंस (जेएसपीएस), जापान ने संयुक्त रूप से निम्नलिखित 17 अनुसंधान परियोजना प्रस्तावों और 3 कार्यशाला प्रस्तावों को सहायित करने का निर्णय लिया है। भारत पक्ष के पीआई को सुरक्षा संवेदनशीलता मंजूरी और बैंक विवरण प्रस्तुत करने के लिए ईमेल किया जाएगा ताकि अनुदान जारी करने के लिए आगे की प्रक्रिया निष्पादित की जा सके।

चयनित संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं की सूची:-

क्र .सं.	टीपीएन नंबर	परियोजना शीर्षक	भारतीय पीआई/संस्थान	जापानी पीआई/संस्थान
1.	98856	दुर्दम्य कॉर्नियल रोगों के लिए एकसोसोम युक्त तरल-कॉर्निया का नैदानिक अनुप्रयोग	डॉ. वीरेंद्र सिंह सांगवान, डॉ. श्राफ चैरिटी आई हॉस्पिटल दरियागंज नई दिल्ली 110002	डॉ. कोजी किताज़ावा, क्योटो प्रीफेक्चुरल यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिसिन
2.	98570	माइक्रो इलेक्ट्रोड डॉट एरे-आधारित डिजिटल माइक्रोफ्लुइडिक बायोचिप्स पर दोष-सहिष्णु नमूना तैयार करने के लिए डिज़ाइन स्वचालन	डॉ. अंकुर गुप्ता, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार) नई दिल्ली 110078	प्रो. शिगेरु यामाशिता, सूचना विज्ञान और इंजीनियरिंग कॉलेज, रित्सुमीकन विश्वविद्यालय
3.	98814	उच्च-प्रदर्शनकर्ता ऑप्टिकली सक्रिय कोटिंग्स और फाइबर के उत्पाद आयन के लिए एकीकृत माइक्रोफ्लुइडिक्स का उपयोग करके अंत कार्यात्मक सेल्लोज	डॉ. प्रोद्युत धार, स्कूल ऑफ बायोकेमिकल इंजीनियरिंग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू) वाराणसी, उत्तर प्रदेश 221005	डा. काजुकी सुगिमुरा क्योटो विश्वविद्यालय

		नैनोक्रीस्टल्स		
4.	98844	ईएसएस अनुप्रयोगों के लिए उच्च ऊर्जा घनत्व gt350 Wh kg-1 और सुरक्षित कक्ष तापमान पर सडियम - सल्फर बैटरी का डिजाइन और विकास	डॉ बृंदा मूर्ति, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति 517506	प्रो. काजुहिदे उएनो, योकोहामा नेशनल यूनिवर्सिटी जापान
5.	98772	संक्रामक रोगों का पता लगाने के लिए इलेक्ट्रो-ऑप्टिक ग्राफीन नैनोरिबन डोपड लिक्विड क्रिस्टल सेल का तकनीकी विकास	डॉ. राजेश, सीएसआईआर राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला दिल्ली 110012	डॉ. हिराफुमी तनाका, क्यूशू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, 2-4 हिबिकिनो, वाकामात्सु-कु , किताकुशु 808-0196, जापान
6.	98840	उच्च गुणवत्ता वाले अपशिष्ट प्लास्टिक पुनर्चक्रीकरण के लिए इलेक्ट्रिकल टोमोग्राफी और मशीन लर्निंग का फ्यूजन प्रौद्योगिकी विकास	डॉ कौशलेन्द्र, एनआईटी जमशेदपुर एसएनपी एरिया साकची सीगल अपार्टमेंट जमशेदपुर झारखंड 831009	प्रो. मासाहिरो ताकेई, चिबा विश्वविद्यालय, जापान
7.	98198	पानी में उभरते कार्बनिक संदूषकों का पता लगाने और उनकी अलग से पहचान करने के लिए सुपरमॉलेक्यूलर फ्लोरोसेंट सेंसर सरणी का डिजाइन और विकास	प्रोफेसर शन्मुगराजू शंकरशेखरन, आईआईटी पालक्काडु, केरल 678557	प्रो. त्सुयोशी मिनामी, औद्योगिक विज्ञान संस्थान, टोक्यो विश्वविद्यालय
8.	98759	जेडब्यूएसटी और एएलएमए एरा में इंटरस्टेलर पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन PAHs और संबंधित ऑर्गेनिक्स की जांच	प्रोफेसर अमित पाठक, भौतिकी विभाग बी.एच.यू.वाराणसी उत्तर प्रदेश 221005	डॉ. इटुकी सकोन, टोक्यो विश्वविद्यालय
9.	98420	सुप्रामोलेक्यूलर द्विध्रुवीय प्रणाली आणविक डिजाइन, सेल्फ-असेंबली, और फेरोइलेक्ट्रिसिटी	डॉ. अनिदिता दास, इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस कोलकाता पश्चिम बंगाल 700032	प्रो. तोमोयुकी अकुतागावा, तोहोकु विश्वविद्यालय

10.	98487	उभरते हुए उच्च-ऊर्जा युक्त इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए लंबवत GaN जंक्शन क्षेत्र प्रभाव ट्रांजिस्टर JFET प्रौद्योगिकी	डॉ बिप्लब सरकार, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की, उत्तराखंड 247667	प्रोफेसर हिरोशी अमानो, नागोया विश्वविद्यालय
11	98734	जैव झिल्लियों की जांच-दवा परिवहन तंत्र को समझने के लिए नैनो ड्रग कैरियर इंटरैक्शन	प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव, आईआईटी बॉम्बे, पवई मुंबई, महाराष्ट्र-400076	प्रो. मिहो तगावा, नागोया विश्वविद्यालय
12.	98699	मल्टीमॉडल कैंसर थेरेपी के लिए फोटोसेंसिटाइज़र लोडेड मेटल सेलेनाइड्स आधारित नैनो ड्रग कॉन्जुगेट्स एनडीसी	प्रो. कौशिक पाल, आईआईटी रुड़की उत्तराखंड 247667	प्रो. माकिया निशिकावा, टोक्यो विज्ञान विश्वविद्यालय
13.	98409	विभिन्न बाढ़ परिस्थितियों के प्रति SUB1A- और SK-मध्यस्थित सहनशीलता के साथ चावल की किस्मों की मेकैनिस्टिक समझ	डॉ. नरोत्तम डे, विश्व भारती शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल-731235	प्रो. ताकेशी फुकाओ, फुकुई प्रीफेक्चुरल विश्वविद्यालय
14.	98542	म्यूकर सेंट्रोमियर का विचित्र मामला - सेंट्रोमियर विनिर्देशन और काइनेटोकोर असेंबली में विविधता को समझने के लिए मॉडल	डॉ. कौस्तुव सान्याल, जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च (जेएनसीएसआर) बेंगलूरु बेंगलूरु कर्नाटक -560064	डॉ. तात्सुओ फुकागावा, ओसाका विश्वविद्यालय
15.	98540	ड्रिपलाइन के निकट विदेशी परमाणु संरचना का अनावरण	प्रो राजदीप चटर्जी, भौतिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, उत्तराखंड 247667	प्रोफेसर वतरु होरिउची, ओसाका मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी
16.	98225	एक अव्यवस्थित प्रोटीन की विभेदक डीएनए पहचान और बंधन तंत्र में गतिशील योगदान को उजागर करना	डॉ. अथी नारायणन एन, प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई तमिलनाडु-600036	प्रोफेसर सातोशी ताकाहाशी, तोहोकु विश्वविद्यालय
17.	97675	सुदूर-इन्फ्रारेड [सी II] गुब्बारा-जनित अवलोकन - तारा-निर्माण क्षेत्रों के	प्रो. देवेन्द्र कुमार ओझा, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर) कोलाबा,	प्रोफेसर शिंकी ओयाबू, तोकुशिमा विश्वविद्यालय

	साथ विशाल तारों की अन्योन्यक्रिया की जांच	मुंबई, महाराष्ट्र 400005	
--	--	--------------------------	--

चयनित संयुक्त अनुसंधान कार्यशालाओं की सूची:-

क्र.सं.	टीपीएन नंबर	परियोजना का शीर्षक	भारतीय पीआई/संस्थान	जापानी पीआई/संस्थान
18.	98659	स्थिरता के लिए परमाणु रूप से सटीक सामग्री	प्रोफेसर प्रदीप थलप्पिल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास चेन्नई तमिलनाडु 600036	प्रोफेसर युइची नेगेशी, टोक्यो विज्ञान विश्वविद्यालय
19.	98603	पर्यावरण संरक्षण के लिए बायोमोलेक्यूलर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑर्गेनिक नैनोप्रौद्योगिकी पर भारत-जापान कार्यशाला" (IJWBME 2023)	प्रोफेसर परमेश्वर के अय्यर, आईआईटी गुवाहाटी असम 781039	प्रो. मनका ताकाकी, टोक्यो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
20.	98442	कृषि गतिविधियों के कारण खेतों में कार्बन पृथक्करण में वृद्धि	डॉ. राज सिंह, महर्षि मार्कडेश्वर (मानद विश्वविद्यालय), मुलाना - अंबाला हरियाणा 133207	डॉ.ताकुरो शिनानो, होक्काइडो विश्वविद्यालय, साप्पोरो